कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) --

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में --

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☐

विषय संस्कृत साहित्य

परीक्षा का दिन गुरुवार

दिनांक 28/3/19

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर ....

संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 165/2019

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
Ans	1 क	विषाद् अमृतं ग्राह्यम् ।
	ख	सुभाषितं बालात् ग्रहणीयम् ।
	ग	'स्वर्णम्' इत्यस्य पर्यायं ~~अस्ति~~ काञ्चनम् ।
	घ	'मित्रम्' इत्यस्य विलोम पदं — अमित्रम् ।
Ans	2 क	मानवा स्वभावत: एव विजयं कामयन्ते ।
	ख	शक्तिद्वारैव सर्वं कर्तुं शक्यते ।
	ग	माताऽपि तनयं रोदनं विना न स्तन्यं पाययति ; इत्यत्र 'पाययति' इति क्रियाया: कर्ता - माता ।
	घ	'यावान शक्तिमान' इत्यत्र विशेषणं पदं = — यावान ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
Ans	3 क	भूम्यां निपतितः सोऽह्लादोच्छ्वासो रामः प्रविशति।
	ख	पुन त्रैलोक्यस्य जीवितं प्रत्यागतम्।
	ग	'शीघ्रम्' इत्यस्य पर्यायपदं - सपदि।
	घ	परिचितः स्पर्शः इत्यत्र विशेष्यपदं - स्पर्श
Ans	4 (क)	प्रश्ननिर्माण अपरिणामोपशमो दारुणो किं?
	(ख)	चारुदत्तस्य केन सह संवादः भवति?
	(ग)	संस्कृत साहित्ये 'बृहत्त्रयी' इति नाम्ना कति महाकाव्यानि सन्ति?

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Ans 5 (क) अल्पानामपि वस्तूनां संहतिः कार्यसाधिका

भावार्थ :- प्रस्तुत सूक्ति का भाव यह है कि यहाँ थोडी - थोडी वस्तुओं का महत्व बताते हुए कहा गया है कि थोडी - थोडी अथवा कम कम वस्तुएँ भी कार्य को सिद्ध कर देती है। जिस प्रकार तिनके - तिनके से मिलकर बनी हुई रस्सी मद मस्त हाथी को रोकने में समर्थ हो जाती है इसी प्रकार थोडी वस्तुऐ बड़े से बड़े कार्य को सिद्ध कर सकती है। इसलिए हमें छोटी चीज को व्यर्थ नहीं समझना चाहिए।

(ख) स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते।

भावार्थ :- प्रस्तुत पंक्ति गीतामामृतम् नामक पाठ से संकलित है। श्रीकृष्ण आर्जुन को संसार के लोगों की प्रवृत्ति को बताते हुए कहते हैं कि श्रेष्ठ लोग जो - जो आचरण करते है सामान्य जन भी उनका अनुसरण करते हैं। श्रेष्ठ लोग अपने अच्छे कर्मों से जो आदर्श अथवा प्रमाण प्राप्त करते है। अन्य लोग भी उनके कार्य को श्रेष्ठ मानते हुए उनका अनुसरण करते हैं। इसलिए हमें भी श्रेष्ठ कर्म करने चाहिऐ जिससे लोगों

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		को उनसे प्रेरणा मिले।
Ans	6	अन्वय :- भूमे गुरुतरा माता, खात् उच्चतर पिता वातात् शीघ्रतर मन: तथा च तृणात् बहुतरी चिन्ता ।।
		अर्थ :- युधिष्ठिर यक्ष से कहता है कि माता भूमि से भी श्रेष्ठ अथवा बढ़कर है, आकाश से भी ऊँचा पिता का स्थान है, वाणी से शीघ्र चलने वाला मन है और तृण से भी अधिक जलाने वाली चिन्ता होती है।
Ans	7 (क)	उपासते - उपासना
	(ख)	अपरम् - दूसरा, श्रेष्ठहीन
Ans	8	भवन्ति इति क्रियाया कर्ता - धनानि।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
Ans	9	सा विरहिणी हिमालयस्थितायां अलकापुर्यां निवसति इत्यत्र हिमालयस्थितायां इति पदस्य विशेष्यं — अलकापुर्यां।
Ans	10	अहं समाधिं निवर्तयामि इत्यत्र अहं सर्वनामस्थाने संज्ञापदं चारुदत्तं।
Ans	11	इति इन्दुमतिः त्रिलोचनं प्रति कथयति।
Ans-	12	न हिंसनं भवेत् क्वचित् इत्यत्र हिंसनं विलोम शब्द - अहिंसनं।
Ans-	13	कर्ता - अहम् क्रिया - भक्षयामि।
Ans	14	वेदाः अंङ्गानि षडं भवन्ति तेषाम् केषाञ्चित् त्रयानां संक्षिप्त परिचयं निम्न अस्ति - (i) शिक्षा — शिक्षाशास्त्रे मन्त्राणां उच्चारणं ज्ञानं, स्वरज्ञानं च वर्णितम्। शि (ii) कल्प :- कल्प ग्रंथेषु वैदिक यज्ञानां पूर्ण परिचय प्रदत्तं। (iii) ज्योतिष :- इदं कालं विज्ञापकं शास्त्रं यज्ञक्रियानां

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		शुद्ध: मुहूर्तं ज्ञातुम् मार्ग दर्शनम् करोति
Ans	18	मुद्राराक्षसनाटके स्त्रीपात्राणां पूर्णतया अभाव। इदं नाटकम् सप्तेषु अङ्केषु विभक्तम् अस्ति।
Ans -	16	कादम्बर्या निबद्धा कथा गुणाढ्यकृताया: बृहत्कथाया: ग्रन्थात् गृहीता। शुकनास: तारापीडस्य अमात्य: आसीत्।
Ans	17 (क)	संस्कृतस्य प्रथम: ऐतिहासिक: उपन्यास - शिवराजविजयं अस्ति।
	(ख)	'ईश्वरविलास' इति महाकाव्यस्य रचनाकार: श्री सीताराम भट्ट पर्वणीकर अस्ति।
	(ग)	पं. गिरिधरशर्मणा रचिताया: 'कश्चित् कवि: पितृपदेश।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Ans 18

* द्रुतविलम्बितम् छन्द *

लक्षण :- द्रुतविलम्बितम् नभौ भरौ ।

उदाहरण :- इतर पाप फलानि य दृच्छया
वितरस्तानि स है चतुरानन: ॥
अरसिकेषु कवित्व निवेदनम्
शिरसि मा लिख मा लिख मा लिख: ॥

Ans 19

(क) दीयन्ते खलु भूषणानि सतत वाग्भूषणं भूषणम् । = 19 वर्ण

= शार्दूलविक्रीडितम् छंद

लक्षण : सूर्याश्वैर्यदि म: सजौ सतत गा शार्दूलविक्रीडितम् ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Ans 20

* श्लेष अलंकार *

लक्षण :- श्लिष्टैः पदैरनेकार्थाभिधाने श्लेष इष्यते

उदाहरण :- उच्छलद् भूरि कीलालः शुशुभे वाहिनीप

Ans 21

(ख) संसार विषवृक्षस्य द्वे एव रसवत् फले ।
= रूपक अलंकार ,

लक्षण :-
तद्रूपमभेदो य उपमानोपमेययोः ।

Ans 22

(क) जैनधर्मस्य चतुर्विंशतितमः तीर्थंकर भगवान् महावीर अस्ति ।

(ख) अस्यां मेलायां जैन धर्मावलम्बिनां साधूनां समवायो भवति ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ग) 'प्राचीन प्रतिमा' इत्यत्र विशेषणपदं – प्राचीन।

(घ) 'जनाः अपि श्रद्धया मेलायां संगताः भवन्ति' इत्यत्र कर्तृपदं – जनाः।

Ans 23

(क) अन्धानुकरणशीले अस्मिन् युगे शनैः शनैः सद्गुणाः अस्माभिः उपेक्ष्यन्ते।

(ख) अनेन ज्ञायते यत् श्रद्धया विनयेन श्रेयसाम् अभिवादनेन च नरः सर्वत्र सिद्धिं समधिगच्छति।

(ग) 'बालकाः विद्यालयेषु ___ अभिवादयन्ति', इत्यत्र क्रियापदं – अभिवादयन्ति।

(घ) साम्प्रतं परिवारेषु सद्गुणानां संरक्षणं शिक्षणम् आवश्यकता अस्ति।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

Ans 24

(क) वने एक सिंह: प्रतिवसति स्म ।

~~(ख) सिंह: समयातिक्रमेण बुभुक्षित:~~

(ख) स बलात् सर्वान् पशून् हन्ति

(ग) पशव: मिलित्वा प्रतिदिनम् एकैकमृगस्य क्रम: निर्धारितवन्त ।

(घ) सिंह समयातिक्रमेण बुभुक्षित: ।

(ङ) सिंह कोपाविष्ट: भवति

(च) शशक: वदति - मार्गे अपर: सिंह: मिलति

(छ) शशक: सिंहं कूपे नयति ।

(ज) सिंह: कूपमध्ये आत्मन: प्रतिबिम्बं पश्यति ।

(झ) सिंह: चिन्तयति - कूपे अपरसिंह: अवश्यमेव वर्तते ।

(ञ) सिंह: कूपे अपतत् मृतश्च ।

Ans 28

(क) अहम् असत्यं न वदामि ।

(ख) छात्रा: विद्यालये क्रीडन्ति ।

(ग) विद्यालयं परित: वृक्षा: सन्ति ।

(ङ) लता रमेशौ च पुस्तकं पठताम् ।

(च) स: ह्य: जयपुरं अगच्छत / अगमन: ।

(ज) राजा: सह सेनापति अचलत् ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

Ans 26 संधि

(क) पावकः = पौ + अकः = अयादि संधि।

सूत्र – एचोऽयवायावः।

(ख) विष्णोऽव = विष्णो + अव = पूर्वरूप संधि

सूत्र = एङः पदान्तादति।

Ans 27 (क) होतृ + ऌकार = होतृकार = दीर्घसंधि

सूत्र = अकः सवर्णे दीर्घः।

(ख) गगन + ऊर्ध्वम् = गगनोर्ध्वम् = गुणसंधि

सूत्र = आद्‌गुणः।

Ans 28 (क) सुरेशः शय्याम् अधिशेते
अधिशीङ्स्थासाम् कर्म योगे द्वितीया विभक्ति

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(ख) इत्थं भूत लक्षणम् योगे तृतीया विभक्ति।

(ग) ~~द्वि तृतीया विभक्ति~~ =
सूत्र = हेतौवाचि योगे तृतीया षष्ठी च विभक्ति भवति।

(घ) सप्तमी

सूत्र - आधारोऽधिकरणम्।

Ans-29 समास

(क) अनुरूपम् - रूपस्य योग्यम्
(अव्ययीभाव समास)

(ख) कुपुरुष - कुत्सित: पुरुष:
= कर्मधारय समास।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
Ans	30	

(क) चौराद् भयम् = चौरभयम्

= पञ्चमी तत्पुरुष समास

(ख) दश आननानि यस्य सः = दशानन

= बहुव्रीहि समास ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-163/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-165/2019